

श्रीमती इन्दु जैन
Smt. Indu Jain



पद्म भूषण
Padma Bhushan



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए
Receiving the decoration from the President

श्रीमती इन्दु जैन

श्रीमती इन्दु जैन एक अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोकोपकारी एवं उत्कृष्ट शिक्षाविद् हैं जो समावेशी एवं उत्तरदायित्वपूर्ण विकास के लिए अनवरत कार्यरत हैं। आप विभिन्न धर्मार्थ एवं सामाजिक कार्यों से गहन रूप से जुड़ी हुई हैं तथा उनके प्रति व्यक्तिगत रूप से प्रतिबद्ध हैं।

2. आपका जन्म दिनांक 8 सितम्बर, 1936 को हुआ था और आपने वर्ष 2000 में 'द टाइम्स फांउडेशन की नींव रखी जिसका अब वे स्वयं पथ प्रदर्शन कर रही हैं। विकास के क्षेत्र में पुरोगामी गतिविधियां शुरू करने के लिए इस फांउडेशन को अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई है तथा यह फाउंडेशन भारत वर्ष में आपदा राहत के लिए टाइम्स रिसर्च फाउंडेशन तथा टाइम्स ऑफ इंडिया के कार्यों की देखरेख के अलावा सामुदायिक सेवाओं से जुड़ी गतिविधियां भी चलाता है। एक शिक्षाविद के रूप में आपने शिक्षा प्रणाली में सुधार की हमेशा हिमायत की है तथा आप इस क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने की जरूरत एवं आवश्यकता में भी विश्वास रखती हैं। इसी विजन की वजह से टाइम्स ऑफ इंडिया – लोयाला कॉलेज ऑफ कामर्स एंड इकोनोमिक्स की शुरूआत हो पाई।

3. साहित्य एवं संस्कृति के एक संरक्षक के रूप में आप भारतीय ज्ञानपीठ की मानद् अध्यक्षा हैं तथा आप साहित्य के क्षेत्र में प्रत्येक प्रमुख भारतीय भाषा में किए गए प्रयासों का समर्थन करती हैं।

4. आपके द्वारा महिलाओं से जुड़े मुद्दों के लिए निरंतर समर्थन जग जाहिर है। आपने महिलाओं के अधिकारों तथा उनके कल्याण का सक्रिय रूप से समर्थन करते हुए महिलाओं द्वारा उद्यम शुरू करने को प्रोत्साहन प्रदान किया है तथा आप इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री लेडीज आर्गेनाइजेशन (एफ एल ओ) की संस्थापक सदस्य हैं। विभिन्न मुद्दों का समाधान करते समय आप अपनी गहन आध्यात्मिक समझ से भी निरंतर प्रेरणा प्राप्त करती रहीं हैं। इस मानवीय और प्रायः आध्यत्मिक दृष्टिकोण से न केवल टाइम्स समूह अपितु संपूर्ण भारतीय मीडिया की कल्पनाशक्ति समृद्ध हुई है। टाइम्स फाउंडेशन द्वारा हाल ही में आयोजित "सच भारत कान्फलुएन्स एंड सम्मान प्रोग्राम" नामक कार्यक्रम एक ऐसा उदाहरण है जहां पहली बार कारपोरेट्स, सरकार तथा अन्तरराष्ट्रीय संगठनों ने कार्य में आध्यात्मिकता को भी शामिल किया है ।

5. श्रीमती जैन ने धार्मिक और आध्यात्मिक गुरूओं की वर्ष 2000 में संयुक्त राष्ट्र संघ में आयोजित मिलेनियम वर्ल्ड पीस सम्मिट (विश्व शांति शताब्दी सम्मेलन) को संबोधित किया। जहां आपने धार्मिक आस्था की एकता पर बल देते हुए सम्मेलन के एक विशेष सत्र की अध्यक्षता की। भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2003 में शुरू की गई वननेस फोरम के पीछे की पथप्रदर्शक शक्ति आप ही हैं।

Smt. Indu Jain

Smt. Indu Jain is an internationally renowned philanthropist and an educationist par excellence, working relentlessly towards inclusive and responsible growth. She has a deep and abiding personal commitment to several charitable and social causes.

2. Born on September 8, 1936, Smt. Jain founded The Times Foundation in 2000, which she now personally guides. The Foundation has garnered international acclaim for its pioneering activities in the field of development and runs community services, besides overseeing the operations of Time Research Foundation and The Times of India relief fund for disaster relief work across India. As an educationist, she strongly supports reforms to improve the education system and believes in the need to enhance research. This vision led to the creation of The Times of India – Loyala College school of Commerce and Economics.

3. A patron of literature and culture, Smt. Jain is also the President emeritus of the Bharatiya Jnanpith and supports endeavours in the field of literature in every major Indian language.

4. Smt. Jain's continuous championing of women's causes is well known. She actively supports women's rights and welfare, encourages entrepreneurship by women and is the founder member of Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry Ladies Organization (FLO).While approaching various issues, she constantly draws from her deep well of spiritual understanding. This humane and often spiritual approach has enriched the mindscape of not just the Times Group but also the entire Indian media. A recently concluded event of the Times foundation, "Sach Bharat Confluence & Samman Programme" provided one such example where spirituality at work was addressed for the first time by corporate, the government and international organizations.

5. Smt. Jain addressed the United Nations in 2000 at the Millennium World Peace Summit of Religious and Spiritual Leaders, where she stressed the need for oneness among faiths and also chaired a special session of the conference. She is the guiding force behind The Oneness Forum, launched by the President of India in 2003.

15